अष्ट रत्नों की माला का रहस्य

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

इस संसार में करोड़ों-करोड़ों मनुष्य आत्मायें हैं। जीव-जन्तुओं की आत्माओं की तो गिनती ही नहीं। जनसंख्या दिनोदिन बढ़ती ही जा रही है। लोग सोचते हैं कि कहाँ से ये सब आ रहे हैं। तो ये सोचते हैं कि 84 लाख जन्म लेते हैं, भोग के 84 लाख योनियां फिर मनुष्य बनते हैं। तब तो जानवरों की संख्या कम हो जानी चाहिए। लेकिन सभी की बढ़ी है कुछ ही जानवर कम हुए हैं। तो मनुष्य तो मनुष्य ही बनता है उनमें सभी मनुष्य आत्माओं में, सबसे महान अग्रणि नेक्स्ट टू गॉड होते हैं अष्ट रत्न। यानी सारे संसार की आत्माओं में से भगवान ने आठ रत्नों को चुना है। जैसे यूनिवर्सिटी एग्ज़ाम में टॉप टेन स्टूडेंट्स चुने जायें। इस गॉडली यूनिवर्सिटी में आठ टॉप स्टूडेंट होते हैं। इसलिए आपने देखा होगा नौ रत्नों की माला, नौ रत्नों की अंगुठियां पहनी जाती हैं विघ्नों को नष्ट करने के लिए। आठ ये आत्मायें हैं जिनको अष्ट रत्न, अष्ट देव कहा जाता है। इष्ट देव कहा जाता है और एक है इनको बनाने वाला निराकार परमात्मा। तो ये नौ।

ये अष्ट रत्न इस संसार की सबसे महान आत्मायें हैं। नेक्स्ट टू गॉड। इसको इस रूप से समझ सकते हैं। जो सम्पूर्ण गॉड, निराकार परम आत्मा है, वो 100 डिग्री है उसकी डिग्री 100 है तो ब्रह्मा की 99 है। उससे सेकण्ड है सरस्वती, जगदम्बा उसकी 98 और फिर बाकी 6 रत्न 97, 96, 95...। तो ये 90 से ऊपर हैं। मॉस्ट पॉवरफुल आत्मायें, सम्पूर्ण निर्विकारी, बहुत शक्तिशाली। अष्ट रत्नों में आना तो सब चाहते हैं पर ये मंज़िल बहुत बड़ी है। किसी को ये सोचने की भी ज़रूरत नहीं कि केवल जो आदि रत्न हैं वो ही अष्ट रत्नों में आयेंगे, नहीं। इनमें कुमार-कुमारियां भी होंगे, एक-दो ग्रहस्थ भी होंगे। कभी बाबा से पूछा गया था कि क्या आठ की माला में भाईयों का भी नम्बर है? देखिए, उत्तर सुन लीजिए- 73 की मुरली है आप पढ़ सकते हैं। मास तो मुझे याद नहीं है। बाबा ने कहा कि भाई भी हैं, तो पूछा कितने? तो बाबा ने कहा एक से अधिक। उसमें दो तो कम से कम हो ही गये। कोई ये नहीं सोचे कि हम नहीं आ सकते। लेकिन अब वो तो बहुत बड़ी बात हो गई है।

अष्ट रत्न माना निरंतर योगयुक्त रहने वाली आत्मा। पहली शर्त, दूसरी सम्पूर्ण पवित्र, जिन्हें अपवित्रता की अविद्या हो गई। केवल उसको जीत नहीं लिया, केवल एक छोटे बच्चे जैसी स्थिति आ गई, तीसरी बात, वे सम्पूर्ण रूप से आत्म अभिमानी हो जाते हैं। सुना होगा आपने मुरलियों में, जो सम्पूर्ण रूप से आत्म अभिमानी हो जाते हैं वो ही अष्ट रत्न बनते हैं। बिल्कुल बाबा के समीप

जब ये 108 रत्न सम्पूर्णता को प्राप्त होंगे, कर्मातीत स्थिति को प्राप्त होंगे तब विश्व युद्ध होगा। अभी तो 108 विजयी रत्नों को तैयार होना है। ये ऐसे लाइट हाउस होंगे जिससे जग का अंधकार दूर हो जायेगा। अभी वो समय आ रहा है।

हैं। उनकी उपस्थिति ही इस संसार के लिए बहुत बड़ा बल है। ऐसा समझ लें कि इस कल्प के अंत में जब जयजयकार होगी, प्रत्यक्षता होगी तो ये साकार में आठ भगवान हैं, इसके रूप में माने जायेंगे। अष्ट विनायक भी हैं आपने नाम सुना होगा।

ये अष्ट रत्न हैं, और भिन्न-भिन्न विघ्नों को नष्ट करने के लिए भिन्न-भिन्न आत्मा हैं। एक ही आत्मा सभी तरह के विघ्नों को नष्ट नहीं करेगी, आठ हैं। इसलिए इन्हें अष्ट विनायक के रूप में दिखाया गया है। तो बड़े गुह्य रहस्य हैं। अष्ट रत्नों के पास अष्ट शक्तियां निरंतर नैचुरल रूप से कार्य करेंगी। ये संसार के लिए लाइट हाउस हैं और इनके लिए बाबा ने कहा कि इनके जो वायब्रेशन्स हैं, इनकी जो किरणें हैं वो सारे संसार तक फैलती हैं। इनका औरा नापा नहीं जा सकता। अनंत होता है। सारे संसार में फैलता रहता है इसलिए इनकी उपस्थिति विश्व की बहुत बड़ी सेवा करती है। ऐसा समझ लें ये जहान के आधारमूर्त होते हैं। तो अष्ट रत्न ये हैं।

उसके बाद सौ हैं, यहाँ जो क्रिमिनल्टी है, आसुरियता आ गई है वो नष्ट हो जायेगी इनके वायब्रेशन्स के द्वारा। ये सब तो बहुत थोड़े समय से आये हैं पचास-साठ साल कि ये सब बिगड़ा हुआ खेल है संसार का। उससे पहले तो संसार काफी अच्छा था। अब इन अष्ट रत्नों के वायब्रेशन्स से, ये सब अब तैयार हो चुके हैं। लगभग तैयार इनके द्वारा बहुत बड़ी विश्व परिवर्तन की सेवा होती रहेगी। मैं आप सबको एक रहस्य और बता दूं, बाबा हमेशा कहते हैं तुम्हारा कर्मातीत होना और महाभारत युद्ध शुरू होना साथ-साथ होंगे, दोनों का सम्बन्ध है। महाभारत युद्ध का सीधा-सा सम्बन्ध है आज की भाषा में तीसरा विश्व युद्ध। जो उस महाभारत से शायद बहुत भयानक दिखाई दे हम सबको।

जो ये 108 रत्न हैं ये बहुत श्रेष्ठ और गुप्त पुरुषार्थी हैं। वो तो यहीं हैं, वो कहीं गये नहीं हैं। वो इन व्यर्थ के झंझटों में नहीं रहते। वो तेरे-मेरे में भी नहीं रहते। वो मुक्त रहते हैं। और जब ये 108 रत्न सम्पूर्णता को प्राप्त होंगे, कर्मातीत स्थिति को प्राप्त होंगे तब विश्व युद्ध होगा। अभी तो 108 विजयी रत्नों को तैयार होना है।

ये ऐसे लाइट हाउस होंगे जिससे जग का अंधकार दूर हो जायेगा। अभी वो समय आ रहा है। अभी इन्होंने गुप्त रूप से तपस्या कर ली है। इनके पास बहुत ज़्यादा स्प्रीचुअल पॉवर आ गई है। उनके बोल में बहुत शक्तियां आ गई हैं। कुछ उनमें से चले भी गए। कुछ इस संसार में उपस्थित भी हैं। जिनके द्वारा अब जयजयकार का काम होगा, प्रत्यक्षता का काम होगा, जहाँ-तहाँ साक्षात्कार होंगे। और अनेक आत्मायें भगवान से मिलने के लिए आ जायेंगी। यही इष्ट देव और देवियों के रूप में प्रख्यात होंगे।

तो जो इस देव-देवी के भक्त हैं- जैसे हम सब भगवान से मिले, वो अपने इष्ट देव और देवियों से मिल लेंगे। तो एक बहुत सुन्दर समय की ओर हम चल रहे हैं। ये एक बहुत गुह्य रहस्य है इस विश्व ड्रामा का। इसको भी जानते चलें।

उदयपुर-मोती मगरी स्कीम(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मोती मगरी स्कीम पार्क में आयोजित नौ दिवसीय 'अलविदा तनाव हैप्पीनेस प्रोग्राम' का पाँचवा दिन 'परिवर्तन उत्सव' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्र.कु. पूनम बहन ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरजा व्यास, शहर विधायक ताराचंद जैन, पूर्व महापौर चंद्र सिंह कोठारी, शिक्षाविद प्रो. विमल शर्मा, प्रो. के.पी. तलेसरा, प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया, प्रकाश चंद वर्डिया, शिव रतन तिवारी, योगी मनीष, डॉ. राजश्री वर्मा, सी.ए. श्याम सिंघवी, उदयपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

पानीपत-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में जगदीश भाई के स्मृति दिवस पर गीता पाठशालाओं के वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें पानीपत सर्कल के लगभग 150 से अधिक गीता पाठशालाओं को चलाने के निमित्त भाई-बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,सर्कल इंचार्ज,पानीपत, ज्ञान मानसरोवर निदेशक राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण भाई, राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा दीदी,पीतमपुरा,दिल्ली, ब्र.कु. मंजू बहन,सेवाकेंद्र संचालिका,जहांगीर दिल्ली, ब्र.कु. अनीता बहन,महरौली,दिल्ली, ब्र.कु. दिव्या बहन सहित 1000 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

जयपुर-सोडाला। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकृति की रक्षा के लिए संकल्प लेने के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. स्नेह दीदी, प्रसन्न खमेसरा,आईजी सीआइडी, विनू निहलानी,अध्यक्ष लायंस क्लब। साथ हैं ब्र.कु. राखी बहन।

दिल्ली-न्यू राजिंद्र नगर। मदर्स डे के उपलक्ष्य में एनपीएल कॉलोनी के हरे कृष्णा मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. विजय दीदी।

नोएडा से.50-उ.प्र.। आध्यात्मिक ज्ञानचर्चा के पश्चात् समूह चित्र में फ्रेनी बिलिमोर अध्यक्ष डब्ल्यूआईसी, सुश्री डायना पत्नी रूसी राजदूत, डॉ. सीमा भल्ला,कला इतिहासकार और क्यूरेटर, नंदिता बहन, ब्र.कु. फलक, गैलिना स्टेफनोवा,रूसी कलाकार और बिज़नेसवुमेन, अनीता समन्वयक डब्ल्यूआईसी, ऐलेना स्विट्ज़रलैंड और एकातेरिना लाज़रेवा, ईवेंट कोऑर्डिनेटर रूसी दूतावास, यूलिया अज़येवा,काउंसलर रूसी सांस्कृतिक अटैशे तथा अन्य।

भरतपुर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के जीवन और संस्थान के इतिहास पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'द लाइट' की आरडीबी मल्टीप्लेक्स भरतपुर में स्क्रीनिंग के अवसर पर डॉ. सुभाष गर्ग,विधायक, ब्र.कु. कविता दीदी,सह प्रभारी आगरा सबज़ोन,जिला प्रभारी भरतपुर, कृष्ण कुमार अग्रवाल,संभागीय अध्यक्ष,चेम्बर ऑफ कॉमर्स, अनुराग गर्ग,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन दिल्ली,भरतपुर, चंद्रकांत बंसल,डायरेक्टर,आरडीबी मल्टीप्लेक्स, कर्नल तेजराम, ब्र.कु. जुगल किशोर भाई, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बबीता दीदी, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. अमरसिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, डॉ. तान्या, अम्युशन डिपो, ब्र.कु. प्रवीणा बहन, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. पावन बहन, ब्र.कु. योगिता बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

हाथरस-उ.प्र.। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हैं ब्र.कु. हेमलता दीदी, यशोदा बहन, नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, ब्र.कु. मीना बहन व ब्र.कु. शान्ता बहन।

हाथरस-आवास विकास कॉलोनी(उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस एवं मातृ दिवस के कार्यक्रम में सीनियर नर्स आशा सारस्वत को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. भावना बहन, ब्र.कु. सीता बहन तथा अन्य।

जम्मू एंड कश्मीर। वर्ल्ड नो टोबैको डे के अवसर पर भगवती मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये जाने पर ब्र.कु. कुसुम बहन ने बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक किया। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल उषा जामवाल तथा समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

बिजयनगर-ब्यावर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के नाडी मोहल्ला सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में शहर के करीब 150 बच्चों ने भाग लिया। शिविर के दौरान संस्थान की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. पुष्पा दीदी, कार्यक्रम आयोजिका ब्र.कु. मनीषा बहन और ब्र.कु. ज्योति कुमावत बहन ने बच्चों का विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया एवं विभिन्न एक्टिविटीज़ कराई।